महारानी श्रीजया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

भरतपुर (राजस्थान)

NAAC Rating B+

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर से सम्बद्ध संस्थान
(An Institution Affiliated to the Maharaja Surajmal Brij University Bharatpur)

विवरणिका

2018-2019

प्राचार्य

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

अन्य प्रशासनिक अधिकारी

1. उपाचार्य -श्रीमती लता शर्मा
2. उपाचार्य - रिक्त
3. उपाचार्य - रिक्त

संकलनकर्ता

1. डॉ. इला मिश्रा- संयोजक
2. डॉ. बाबूलाल मीना - सदस्य
3. डॉ. अशोक कुमार गुप्ता- सदस्य
4. डॉ. गोविन्दराम चरौरा - सदस्य

दूरभाष

प्राचार्य (कार्यालय) : 05644 – 223641,225660

फैक्स : 05644 – 223641

वेबसाइट : www.msjcollege.in

http://hte.rajasthan.gov.in

Email ID : msjc47@gmaill.com

महाविद्यालय : एक परिचय

महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भरतपुर राजस्थान के पूर्वांचल का प्राचीन महाविद्यालय है। यह महाविद्यालय लगभग 20 हैक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। महाविद्यालय में लगभग 10,000 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र है। महाविद्यालय में वर्तमान में लगभग 7 हजार 500 से भी अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इस महाविद्यालय में प्राचार्य, उपाचार्य के 03 पद, सहायक आचार्य/ सह आचार्य के 170 पद तथा पुस्तकालय अध्यक्ष एवं शारीरिक शिक्षक का एक पद स्वीकृत हैं। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर से सम्बद्ध इस महाविद्यालय में कला, विज्ञान तथा वाणिज्य संकायों के अन्तर्गत कुल 19 विभाग हैं। लोक प्रशासन में स्नातक एवं अन्य सभी विभागों में स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम उपलब्ध हैं तथा लगभग सभी विभागों में शोध की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय विकास समिति द्वारा स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत पी.जी.डी.सी.ए पाठ्यक्रम संचालित हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर भी वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, भौतिक शास्त्र और रसायन शास्त्र में स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत पाठ्यक्रम संचालित है। यह महाविद्यालय सह शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के क्षेत्र में भी अग्रणी रहा है। सत्र 2017–18 में राज्य व संभागीय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने पुरस्कार प्राप्त किये हैं। वर्तमान में महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चार इकाइयाँ व राष्ट्रीय कैडेट कोर की दो इकाइयाँ तथा रोवर/ रेंजर (स्काउट) एवं वाई.डी.सी.सुचारु रूप से चल रही हैं। साथ ही दूरस्थ शिक्षा की सुविधा के रूप में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के साथ–साथ गत वर्ष से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी महाविद्यालय में संचालित है। इसके साथ ही RUSA के अंतर्गत 'दिशारी' योजनांतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मोबाइल APP, अंग्रेजी भाषा सुधार हेतु UPERAPP की सुविधा भी महाविद्यालय में उपलब्ध है। खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी संचालित हैं। महाविद्यालय के खिलाड़ी, कुश्ती एवं मुक्केबाजी के क्षेत्र में राज्य स्तर पर अग्रणी रहे हैं। महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटों को अनेक बार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदकों से सम्मानित किया गया है।

महाविद्यालय : विकास के विभिन्न चरण

इस महाविद्यालय की स्थापना एक इण्टरमीडियेट कॉलेज के रूप में 7 अगस्त 1941 को महाराजा सवाई श्री बृजेन्द्र सिंह जी द्वारा उनकी पत्नी महारानी श्रीमती श्रीजया के सम्मान में की गई सन् 1947 में यह महाविद्यालय स्नातक स्तर तक क्रमोन्नत किया गया। विज्ञान में स्नातक कक्षायें 1956 में एवं वाणिज्य में स्नातक कक्षाऐं 1958 में प्रारंभ हुईं । सन् 1964 में राजनीति विज्ञान में बी.ए.ऑनर्स का पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ। इस कॉलेज में रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर कक्षाएँ 1969 में प्रारम्भ हुईं। तदुपरान्त 1970 में हिन्दी और भौतिकी में, 1971 में दर्शनशास्त्र एवं वाणिज्य में स्नातकोत्तर कक्षाएँ व 1972 में एल.एल.बी. कक्षाएँ प्रारम्भ हुईं। 1975 में अर्थशास्त्र, 1976 में प्राणीशास्त्र, 1978 में राजनीति शास्त्र और इतिहास, 1980 में भूगोल, 1981 में अंग्रेजी, संस्कृत एवं वनस्पति विज्ञान तथा 1984 में गणित में स्नातकोत्तर कक्षाएँ प्रारम्भ की गईं। समाजशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर कक्षाएँ 1994 में प्रारंभ हुईं। सत्र 2009–10 में लोक प्रशासन विषय को स्नातक स्तर पर आरंभ किया गया।

प्राचार्य की कलम से...

प्रिय विद्यार्थियों!

राजस्थान के पूर्वांचल एवं लोहागढ़ के नाम से विख्यात भरतपुर, अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखता है। इसी तरह प्रदेश के बड़े महाविद्यालयों में से एक महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भी शैक्षणिक क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाये हुए हैं। इस गौरवमयी संस्था में आप उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश ले रहे हैं, इस हेतु नवीन सत्र 2018–19 में आप सभी विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। यह बात निर्विवाद है कि यहाँ अध्ययनरत विद्यार्थियों ने शैक्षणिक, सहशैक्षणिक गतिविधियों में विशेष कीर्तिमान स्थापित कर स्वयं को ही नहीं अपितु इस महाविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए आप भी अपने गुरुजनों से अधिकाधिक सम्पर्क कर कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहकर ज्ञान प्राप्त करें। साथ ही, अपने कार्य, व्यवहार एवं ज्ञान से स्वयं का विकास कर दूसरों के लिये प्रेरणादायक बनें।

शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो ज्ञानार्जन के साथ– साथ विद्यार्थी को समाज एवं राष्ट्र के प्रति जागरूक भी बनाती है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो मानव को जाति, वर्ण, सम्प्रदाय आदि की संकीर्णता से निकालकर व्यापकता की सोच को स्थापित करती है। आपके सर्वांगीण विकास के लिये शिक्षा के अनेक पाठ्यक्रमों के साथ– साथ यहाँ अनेक शिक्षणेतर गतिविधियाँ भी संचालित हैं। इनके अतिरिक्त PGDCA महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम भी संचालित है। आपको यह जानकर हर्ष होगा कि महाविद्यालय परिसर को Wi-Fi Connectivity से सम्बद्ध कर दिया गया है। अब नियमित विद्यार्थियों को परिसर में ही इण्टरनेट की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इन सबके साथ–साथ आपकी समस्याओं के तत्काल समाधान हेतु ''विद्यार्थी परामर्श एवं समस्या निवारण केन्द्र'' भी यहाँ गठित है जिसका लाभ आप अधिकाधिक प्राप्त करें। दूरस्थ शिक्षा की सुविधा के रूप में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के साथ– साथ गत वर्ष से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी महाविद्यालय में संचालित है। इसके साथ ही RUSA के अंतर्गत 'दिशारी' योजनान्तर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मोबाइल APP, अंग्रेजी भाषा सुधार हेतु UPER APP की सुविधा भी महाविद्यालय में उपलब्ध है।

यह महाविद्यालय आपका है, इसका विकास करना तथा इसकी सुरक्षा करना भी आपका परम कर्तव्य है। अतः आप अपने सकारात्मक तथा सृजनात्मक कौशल को विकसित कर अपनी प्रतिभा को मुखरित करते हुए संस्था के विकास एवं समृद्धि में अपना योगदान अवश्य प्रदान करें। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप अपने आचरण तथा कर्म से ज्ञान प्राप्ति के साथ– साथ अपने लक्ष्य तक अवश्य पहुँचेंगे।

अंत में आपसे अपेक्षा है कि नूतन और सुंदर कल के निर्माण में ज्ञान प्राप्ति हेतु प्रवेश लेकर अपने पवित्र कर्मों की आहुति प्रदान कर भविष्य रूपी यज्ञ को सफल बनायें।

पुनः आप सभी का स्वागत एवं अभिनंदन।

प्राचार्य

(डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा)

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया संबंधी
आवश्यक निर्देश एवं नियम

महाविद्यालय में प्रवेश पूर्णतया मैरिट के आधार पर दिया जाता है। योग्यता के अतिरिक्त जो भी लाभ होंगे वह राजस्थान सरकार द्वारा जारी प्रवेश नीति की अनुपालना में दिये जायेंगे।

आवेदन कैसे करें ?

1. विद्यार्थी आवेदन पत्र एवं विवरणिका निदेशालय के वेब पोर्टल http://hte:rajasthan.gov.in पर जानकारी कर ऑनलाइन आवेदन करें।

आवेदन पत्र कैसे भरे ?

1. आवेदन–पत्र भरने से पूर्व वेब पोर्टल पर दिये गये प्रवेश प्रक्रिया के निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें।
2. स्नातक स्तर पर एक से अधिक संकायों में अथवा स्नातकोत्तर स्तर पर एक से अधिक विषयों में आवेदन करने हेतु अलग– अलग आवेदन पत्र भरने होंगे। आवेदन पत्र एक संकाय से दूसरे संकाय में या एक विषय से दूसरे विषय में स्थानांतरित नहीं किये जायेंगे। यही व्यवस्था स्ववित्तपोषित, अर्द्धस्ववित्तपोषित व रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के लिए भी लागू रहेंगी।
3. पूरक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को भी अन्य विद्यार्थियों के साथ ही प्रवेश के लिए आवेदन करना होगा।
4. बी.ए. भाग प्रथम में प्रवेश चाहने वाले विद्यार्थी आवेदन पत्र में विषय समूह वरीयता क्रमांक अनुसार आवश्यक रूप से अंकित करें।
5. आवेदन पत्र की समस्त पूर्तियाँ सही एवं तथ्यात्मक होनी चाहिए।
6. जिन स्नातकोत्तर विषयों में पूर्वार्द्ध/उत्तरार्द्ध में एक से अधिक वैकल्पिक विशिष्ट प्रश्न पत्र उपलब्ध हैं उनके प्रवेशार्थी अपना विकल्प आवेदन पत्र भरते समय ही आवश्यक रूप से अंकित करें।
7. संरक्षक/ माता/पिता की आय प्रमाणित करने वाले अधिकारी का पूर्ण नाम लिखें, जिसके अभाव में आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगा।

नोटः– ऑनलाइन – आवेदन–पत्र भरते समय वांछित स्थान पर अभ्यर्थी अपने एवं पिता/ संरक्षक का सक्रिय मोबाइल नम्बर आवश्यक रूप से अंकित करें एवं प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने तक उक्त मोबाइल नम्बर सदैव चालू रहे यह सुनिश्चित कर लेवें, क्योंकि प्रवेश से संबंधित सभी सूचनाएँ आप तक मोबाइल के माध्यम से ही प्रेषित की जावेंगी।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में कला, वाणिज्य तथा विज्ञान वर्ग के लगभग सभी संकायों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। वर्तमान में महाविद्यालय में विभिन्न उपलब्ध पाठ्यक्रमों की संकायवार जानकारी निम्न प्रकार है:–

(I) विज्ञान संकाय : स्नातक स्तर पर उपलब्ध विषय

बी0एससी0 पार्ट प्रथम : स्वीकृत वर्ग 9 : (गणित वर्ग–05, जीव विज्ञान वर्ग–04)

अनिवार्य विषय :
1. सामान्य हिन्दी
2. सामान्य अंग्रेजी
3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर
4. पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक वर्ग समूह :
I **गणित वर्ग** : गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र,
II **जीव विज्ञान वर्ग** : रसायन शास्त्र, प्राणीशास्त्र, वनस्पति शास्त्र

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

गणित : पूर्वार्द्ध में 60 स्थान स्वीकृत हैं। उत्तरार्द्ध में कम्प्यूटर एप्लीकेशन का विशिष्ट प्रश्न–पत्र उपलब्ध है।

भौतिक शास्त्र : पूर्वार्द्ध में 30 स्थान स्वीकृत हैं। उत्तरार्द्ध में सूक्ष्म तरंग इलेक्ट्रोनिकी का विशिष्ट प्रश्न–पत्र उपलब्ध है।
उपर्युक्त स्थानों के अतिरिक्त स्ववित्तपोषी योजना में 7 स्थान उपलब्ध हैं।

वनस्पति शास्त्र : पूर्वाद्ध में 30 स्थान स्वीकृत हैं। उत्तरार्द्ध में (I) पादप रोग विज्ञान तथा (II) मरूस्थलीय पारिस्थितिकी के विशिष्ट प्रश्न–पत्र उपलब्ध हैं।
उपर्युक्त स्थानों के अतिरिक्त स्ववित्तपोषी योजना में 7 स्थान उपलब्ध हैं।

प्राणी शास्त्र : पूर्वाद्ध में 30 स्थान उपलब्ध हैं। उत्तरार्द्ध में (I) मत्स्य जीव विज्ञान एवं मत्स्य पालन तथा (II) कीट विज्ञान विशिष्ट प्रश्न पत्र उपलब्ध हैं।
उपर्युक्त स्थानों के अतिरिक्त स्ववित्तपोषी योजना में 7 स्थान उपलब्ध हैं ।

रसायन शास्त्र : पूर्वार्द्ध में 35 स्थान स्वीकृत हैं। उत्तरार्द्ध में (I) अकार्बनिक (Inorganic) एवं (II) कार्बनिक (Organic) रसायन शास्त्र के विशिष्ट प्रश्न पत्र उपलब्ध हैं।
उपर्युक्त स्थानों के अतिरिक्त स्ववित्तपोषी योजना में 8 स्थान उपलब्ध हैं।

नोटः– एम.एससी. (पूर्वार्द्ध) में स्ववित्तपोषी योजना के अन्तर्गत प्रविष्ट छात्रों को किसी भी स्थिति में सामान्य सूची में प्रवेशित स्थानों पर स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा। स्ववित्तपोषित योजना में प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी भी राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सामान्य सीटों पर प्रवेश कार्य प्रारम्भ होने के साथ–साथ ही सम्बंधित विषय में प्रवेश आवेदन पत्र प्रस्तुत करें।

(II) वाणिज्य संकाय : स्नातक स्तर पर उपलब्ध विषय

बी.कॉम पार्ट – प्रथम – स्वीकृत वर्ग : 05 :

अनिवार्य विषय : 1. सामान्य हिन्दी 2. सामान्य अंग्रेजी 3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर 4. पर्यावरण अध्ययन।

विषय समूह : व्यावसायिक प्रशासन, लेखा एवं सांख्यिकी तथा आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध।

बी.कॉम. भाग तृतीय में उपर्युक्त के अतिरिक्त तीनों ऐच्छिक विषयों में एक–एक पेपर विकल्प के रूप में उपलब्ध हैं। जिसमें प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा।

स्नातकोत्तर–पाठ्यक्रम

वाणिज्य संकाय में निम्न विषयों में एम.कॉम पाठ्यक्रम उपलब्ध है

1. ए.बी.एस.टी–स्थान – 60 2. व्यावसायिक प्रशासन – 60 3. ई.ए.एफ.एम. –60

(III) कला संकाय – स्नातक स्तर पर उपलब्ध विषय

बी.ए. पार्ट प्रथम : स्वीकृत वर्ग 22

अनिवार्य विषय :
1. सामान्य हिन्दी
2. सामान्य अंग्रेजी
3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर
4. पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक विषय : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन,

नोटः– प्रत्येक वर्ग में स्वीकृत संख्या के आधार पर ही प्रवेश दिये जायेंगे। स्नातक स्तर पर द्वितीय एवं तृतीय भाग में विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

कला संकाय में निम्न विषयों में एम.ए. पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिनमें प्रत्येक विषय में 60–60 स्थान स्वीकृत हैं। उत्तरार्द्ध कक्षाओं में इसी महाविद्यालय से नियमित विद्यार्थी के रूप में पूर्वार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को ही प्रवेश मिलेगा । एम.ए. पूर्वार्द्ध में पाठ्यक्रम एवं उपलब्ध वैकल्पिक विशेष प्रश्न पत्रों के विषय में सम्बन्धित विभागों में सम्पर्क करें।

(i) एम.ए. में निम्न विषयों में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

विषय : 1. इतिहास 2. दर्शनशास्त्र 3. अर्थशास्त्र 4. राजनीति विज्ञान 5. भूगोल
6. हिन्दी साहित्य 7. अंग्रेजी साहित्य 8. संस्कृत 9. समाजशास्त्र

पीएच.डी.

महाविद्यालय के लगभग सभी संकायों में पीएच.डी उपाधि हेतु पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। पंजीकरण हेतु सम्बन्धित विभाग में संपर्क करें । पंजीकरण महाविद्यालय में कराने के पश्चात् राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर तथा महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर द्वारा किया जाता है । पीएच.डी. पंजीकरण हेतु विद्यार्थियों की अर्हता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार होनी चाहिये। जे.आर.एफ./ टी.आर.एफ. अभ्यर्थी भी शोध हेतु इस महाविद्यालय में पंजीकरण करा सकते हैं। **एक बार पंजीकृत शोधार्थी को महाविद्यालय में प्रत्येक सत्र में अपना नवीनीकरण कराना आवश्यक है।** विभिन्न विषयों के शोध निर्देशकों (रिसर्च सुपरवाइजर्स) की सूची संलग्न है।

एक वर्षीय पी.जी.डी.सी.ए.–स्थान 40, शुल्क रु0 3000/– + छात्र निधि शुल्क + कॉशन मनी रु0 2000/– निर्धारित है, इस पाठ्यक्रम के लिए एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. (चिकनी परत को छोड़कर)/एस. बी.सी. के लिये किसी भी संकाय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे तथा सामान्य वर्ग एवं ओ.बी.सी. (चिकनी परत के अभ्यर्थी) किसी भी संकाय से स्नातक परीक्षा में कम से कम 48 प्रतिशत प्राप्तांक वाले अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र होंगे तथा विकलांग अभ्यर्थियों के लिये सामान्य वर्ग की अर्हता से 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट का प्रावधान है । इस पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया सभी संकायों के स्नातक अन्तिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् प्रारम्भ की जावेगी ।

(4) स्नातकोत्तर – स्ववित्तपोषी योजना :–

वनस्पतिशास्त्र (7 स्थान), प्राणीशास्त्र (7 स्थान), भौतिक शास्त्र (7 स्थान),
रसायन शास्त्र (8 स्थान) प्रत्येक के लिए वार्षिक शुल्क रु0 15000/– + छात्र निधि शुल्क

नोट :–

(i) इन पाठयक्रमों में प्रवेश राज्य सरकार एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों, उप नियमों के अन्तर्गत किये जायेंगे।

(ii) स्ववित्तपोषी पाठ्यक्रम /विषयों में छात्राएँ भी आवेदन कर सकतीं हैं।

(iii) स्ववित्तपोषी योजना के अन्तर्गत प्रविष्ट छात्रों को किसी भी स्थिति में सामान्य सूची में प्रवेशित स्थानों पर स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा।

(iv) एक बार प्रवेश के उपरान्त किसी भी स्थिति में शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।

(v) महाविद्यालय विकास समिति के निर्णयानुसार किसी भी स्ववित्तपोषी पाठ्यक्रम में छात्र संख्या 15 से कम रहने पर उस सत्र के लिए वह पाठ्यक्रम स्थगित रहेगा।

परीक्षा एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया

प्रत्येक सत्र के अन्त में वार्षिक परीक्षा महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर द्वारा आयोजित की जाती है । इस वार्षिक परीक्षा का केन्द्र महाविद्यालय में होता है। इसकी समय सारिणी महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय द्वारा घोषित की जाती है। प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथियों का निर्धारण महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय द्वारा किया जाता है। प्रायोगिक परीक्षा की तिथियों की सूचना महाविद्यालय तथा सम्बन्धित विभागों के सूचना पट्ट पर लगाई जाती है।

सत्रान्त की वार्षिक परीक्षाओं के अतिरिक्त महाविद्यालय स्तर पर तीन टैस्ट आयोजित किए जाते हैं। ये क्रमशः दशहरा अवकाश, शीतकालीन अवकाश तथा परीक्षा पूर्व तैयारी अवकाश के पहले आयोजित किए जाते हैं, इनमें से प्रथम दो टैस्ट विषय या शिक्षकवार, नियमित समय सारिणी के कालांशों में ही, आयोजित किए जाते हैं तथा तीसरा टैस्ट विश्वविद्यालय की परीक्षा के अनुरूप आयोजित किया जाता है। ये टैस्ट क्रमशः सितम्बर एवं दिसम्बर 2018 में तथा प्री–परीक्षा जनवरी 2019 में निर्धारित है।

इन महाविद्यालय स्तरीय परीक्षाओं को आयोजित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन करना, तथा उन्हें बेहतर प्रदर्शन हेतु तैयार करना है। विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं के निहितार्थ को समझते हुए इनमें आवश्यक रूप से उपस्थित रहना चाहिए। तीनों क्लास टेस्टों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय में 5 अतिरिक्त उपस्थितियों का लाभ दिया जाता है तथा इन क्लास टेस्टों में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय स्तर पर पुरस्कृत/सम्मानित भी किया जाता है।

शुल्क विवरण

1. राजस्थान राज्य कर्मचारियों पर पूर्णतः निर्भर रहने वाले उन सभी विद्यार्थियों को अपने आवेदन पत्र के साथ तत्सम्बन्धी प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना चाहिए जिन्हे नियमानुसार शुल्क मुक्ति की सुविधा प्राप्त होती है। इसके अभाव में शुल्क में कोई रियायत नहीं दी जावेगी और न ही जमा कराई गई फीस बाद में लौटाई जाएगी।
2. आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार अधिकतम शुल्क लिया जायेगा।

विशेष :

(अ) सभी प्रकार के शुल्क अग्रिम देने होंगे तथा प्रतिभूति राशि के अलावा कोई राशि नहीं लौटाई जाएगी। प्रतिभूति राशि छात्र/छात्रा को महाविद्यालय छोड़कर चले जाने के 3 वर्ष की अवधि में ही लौटाई जावेगी। तत्पश्चात् यह राशि राजकोष में जमा कर दी जायेगी। पूरे सत्र का शिक्षण शुल्क व अन्य सभी शुल्क प्रवेश के समय एक ही बार देने होंगे।

शुल्क सूची नं0 1
शिक्षण शुल्क (प्रतिमाह)

कक्षा	आयकर नहीं देने वालों से	आयकर देने वालों से	
		प्रथम आयकर दाता वर्ग (सकल आय रु. पाँच लाख तक)	द्वितीय आयकर दाता वर्ग (सकल आय रु. पाँच लाख से अधिक)
स्नातक पार्ट प्रथम	3.50 रु0	10.00 रु0	12.00 रु0
पार्ट द्वितीय एवं	4.50 रु0	12.00 रु0	15.00 रु0
तृतीय स्नातकोत्तर	8.00 रु0	18.00 रु0	20.00 रु0
एम.फिल.एवं पीएच.डी	8.00 रु0	18.00 रु0	20.00 रु0

नोट :–

1. महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क राशि 10 रूपये देय है।
2. आयकर नहीं देने वाले राज्य कर्मचारियों (राजपत्रित तथा अराजपत्रित) के परिवार के सदस्यों से सामान्य तकनीकी एवं व्यावसायिक दोनों प्रकार की राजकीय शिक्षण संस्थाओं में शुल्क नहीं लिया जाएगा। उन्हें आयकर दाता न होने का प्रमाण पत्र कार्यालयाध्यक्ष से प्राप्त करके संस्था प्रधान को प्रस्तुत करना होगा। यह सुविधा पंचायत समिति एवं जिला परिषद कर्मचारियों के परिवार को भी मिलेगी।
3. समस्त अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग (चिकनी परत वालों को छोडकर)/ विशेष पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों से, चाहे उनके माता–पिता/ अभिभावक आयकर दाता हों अथवा न हों, चाहे उन्हें भारत सरकार या राज्य सरकार से छात्रवृत्ति मिलती हो, कोई शिक्षण शुल्क नहीं लिया जावेगा।
4. छात्राओं से कॉलेज स्तर तक कोई शिक्षण शुल्क नहीं लिया जावेगा। लेकिन यह छूट उन्हें तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में नहीं मिलेगी।

   विज्ञान/कला संकाय के विद्यार्थियों से प्रयोगशाला का वार्षिक शुल्क निम्न प्रकार लिया जायेगा।

   (अ) प्रयोगशाला शुल्क – विज्ञान व भूगोल की स्नातक कक्षाएँ 100.00 रुपये

   (ब) प्रयोगशाला शुल्क – एम.एससी. व एम.ए. भूगोल कक्षाएँ 150.00 रुपये

शुल्क सूची नं0 2
छात्र निधि

	एस.सी./ एस.टी./ओ.बी.सी./ एस.बी.सी./ बी.पी.एल.	सामान्य
1. क्रीडा शुल्क	70.00	90.00
2. वाचनालय शुल्क	20.00	40.00
3. कॉलेज पत्रिका शुल्क	20.00	20.00
4. मनोरंजन शुल्क	10.00	10.00
5. विद्यार्थी सहायता शुल्क	05.00	05.00
6. साइकिल स्टैण्ड शुल्क	20.00	20.00
7. परिचय कार्ड कम्प्यूटराइज्ड व लेमिनेटेड	20.00	20.00
8. पुस्तकालय सेवा शुल्क	50.00	50.00
9. ओपन शैल्फ	10.00	20.00
10. विकास शुल्क	80.00	110.00
11. स्वास्थ्य शुल्क	10.00	10.00
12. सामान्य उपयोग निधि (जी.पी.एफ.)	20.00	20.00
13. विषय परिषद्	20.00	20.00
14. गुणवत्ता सुधार शुल्क	20.00	40.00
15. छात्र संघ	20.00	20.00
16. विविध शुल्क	20.00	20.00
17. गृह परीक्षा शुल्क	10.00	10.00
18. कॉशन मनी (केवल प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए)	25.00	25.00
19. महिला प्रकोष्ठ शुल्क (केवल महिलाओं के लिए)	20.00	20.00
20. अनिवार्य कम्प्यूटर शुल्क (केवल प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए)	450.00	450.00
21. समूह बीमा शुल्क	50.00	50.00
22. स्काउट	10.00	10.00
23. इंटर बाई– फाई	25.00	25.00
24. लाइब्रेरी ऑटो	25.00	25.00

शुल्क सूची नं0 3

1. महाविद्यालय विकास शुल्क (सी.डी.एफ.)	100.00
2. स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र शुल्क (आवेदन पर)	10.00
3. चरित्र प्रमाण पत्र शुल्क (आवेदन पर)	5.00

शुल्क मुक्ति

प्रत्येक कक्षा में शिक्षण शुल्क देने वाले छात्रों की संख्या के दस प्रतिशत को पूर्ण शुल्क मुक्ति तथा दस प्रतिशत को अर्द्धशुल्क मुक्ति आवश्यकता एवं योग्यता के आधार पर निर्धारित आवेदन पत्र के आधार पर दी जाती है। शुल्क मुक्ति के लिए आवेदन विश्वविद्यालय द्वारा निश्चित प्रवेश की अन्तिम तिथि से 15 दिन में निर्धारित प्रपत्र पर करना होता है। शुल्क मुक्ति आवेदन पत्र कार्यालय से मिल सकेगा। इसे प्रस्तुत करने पर रसीद अवश्य ले लेवें व उसे संभाल कर रखें।

शुल्क मुक्ति एवं छात्र सहायता कोष

जिन विद्यार्थियों को विवरणिका में वर्णित नियमों के अन्तर्गत किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता नहीं मिल पाती है, वे शुल्क मुक्ति एवं छात्र सहायता कोष समिति के विचारार्थ अपने आवेदन पत्र दे सकते हैं। ये आवेदन पत्र कार्यालय से उपलब्ध कराये जायेंगे। अगर किसी अभिभावक के दो या दो से अधिक बच्चे महाविद्यालय में पढ़ते हैं तो शुल्क मुक्ति का लाभ केवल एक को ही मिलेगा।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में एक लाख से अधिक संदर्भ एवं पाठ्यपुस्तकें हैं। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की लगभग 30 से अधिक शोध पत्रिकाएँ नियमित रूप से मंगाई जाती हैं। पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिये खुली शैल्फ व्यवस्था है। विद्यार्थियों से पुस्तकालय सुविधा का अधिकतम लाभ लेने की अपेक्षा की जाती है। पुस्तकालय में INFLIBNET की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय ऑटोमेशन

यह महाविद्यालय राज्य सरकार द्वारा मॉडल कॉलेज घोषित है। पुस्तकालय ऑटोमेशन के तहत सम्पूर्ण पुस्तकों की सूची का कम्प्यूटरीकरण कार्य जारी है। इसके फलस्वरूप छात्र कम्प्यूटर पर स्वयं पुस्तकें देख कर चयन कर सकेंगे। पुस्तकों का लेन–देन कम्प्यूटर के माध्यम से होगा। पुस्तकालय कार्य समय समस्त कार्य दिवसों पर प्रातः 10 बजे से सांयकाल 5 बजे तक रहता है।

वाचनालय (Reading Room)

पुस्तकालय में एक बृहद् वाचनालय है जिसमें लगभग 15 दैनिक समाचार पत्र एवं 25 सुरुचिपूर्ण ज्ञानवर्धक पत्रिकाएँ नियमित रूप से मंगाई जाती है। विद्यार्थी यहाँ बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। दैनिक समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के पुराने अंक पुस्तकालयाध्यक्ष की स्वीकृति से देखे जा सकते हैं।

अदेय पुस्तक खंड (Non-Lending Section)

अदेय पुस्तक कक्ष में लगभग 10,000 महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तकें, विश्व कोष, ज्ञान कोष, पारिभाषिक कोष, शब्द कोष, पर्यायवाची कोष आदि विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय समय में उपलब्ध हैं। यहाँ शोध पत्रिकाओं के पुराने अंक भी संग्रहित है।

पुस्तक बैंक (Book- Bank)

राज्य सरकार के निर्देशानुसार सीमित विद्यार्थियों के लिए बुक बैंक व्यवस्था उपलब्ध है।

विभागीय स्नातकोत्तर पुस्तकालय

समस्त विभागों में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिये अलग से पुस्तकालय सुविधा उपलब्ध है । विभागीय पुस्तकालय प्रभारी से नियमानुसार पुस्तकें प्राप्त की जा सकतीं हैं ।

पुस्तकालय–नियम

1. पुस्तकें निर्गमित कराने हेतु अपने पुस्तकालय कार्ड एवं परिचय पत्र साथ लावें तथा पुस्तकें वापिस करते समय कार्ड लेना न भूलें।
2. पुस्तकालय में प्रवेश के बाद किसी भी अधिकारी द्वारा पूछे जाने पर परिचय पत्र अवश्य दिखायें । परिचय पत्र के बिना प्रवेश निषेध है।
3. अपनी व्यक्तिगत पुस्तकें या सामग्री पुस्तकालय से बाहर रखें।

4. पुस्तकालय में "खुली शेल्फ" व्यवस्था है अतः पुस्तकों की क्रमबद्धता न बिगाड़ें। पुस्तकें विषय वर्गांक के अनुसार व्यवस्थित है। अतः पुस्तकें संबंधित शैल्फ में ही रखें।
5. एक समय में स्नातक छात्र दो तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थी तीन पुस्तकें निकलवा सकते हैं।
6. पुस्तकें पाने/खोजने में पुस्तकालय कर्मचारी का सहयोग लें।
7. संदर्भ ग्रंथ घर ले जाने के लिए नहीं दिए जायेंगे। अदेय पुस्तक कक्ष में इन्हें पढ़ने की पूरी सुविधा है।
8. जारी की गयी पुस्तकों का सामान्यतः नवीनीकरण नहीं होता है।
9. पुस्तकालयाध्यक्ष किसी भी पुस्तक को वापस करने के लिए आदेश दे सकता है।
10. पुस्तकालय उपयोग हेतु नियमों का पालन तथा अनुशासन अनिवार्य है, अन्यथा छात्र को पुस्तकालय की सुविधा से वंचित कर दिया जावेगा।
11. पुस्तकालय में शांति बनाये रखना हर विद्यार्थी का पवित्र कर्तव्य है।
12. वाचनालय या पुस्तकालय सम्बन्धी किसी भी समस्या के समाधान हेतु पुस्तकालय समिति एवं पुस्तकालयाध्यक्ष से सम्पर्क करना चाहिए।
13. नियत अवधि से अधिक दिनों तक पुस्तकें रखने पर प्रतिदिन के आधार पर आर्थिक दण्ड देय होगा।

शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत इस महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले स्नातक प्रथम व द्वितीय पार्ट के छात्र/छात्रा निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होंगे तथा उन्हें प्रवेश आवेदन पत्र के 'अ' भाग के अनुसार अपनी वरीयता अंकित करनी होगी।

(क) राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी)
(ख) राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)
(ग) रोवर/रेन्जर (स्काउट)
(घ) युवा विकास केन्द्र/मानवाधिकार/महिला प्रकोष्ठ/योजना मंच/E-cell

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

इस महाविद्यालय में शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ छात्रों में चरित्र, साहचर्य, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्षता तथा निःस्वार्थ सेवा भाव का संचार करने के लिये तथा देश सेवा हेतु श्रेष्ठ नागरिक और सशस्त्र सेना में सेवा हेतु युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से सन् 1954 से एन.सी. सी. का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है।

वर्तमान में महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो इकाइयाँ कार्यरत हैं। इनमे से 3 राज. तोपखाना बैट्री एक तकनीकी प्रशिक्षण इकाई है, जिसमें इस महाविद्यालय के 200 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाता है। दूसरी 6 राज. इण्डेप कम्पनी में 140 छात्रों के प्रशिक्षण की व्यवस्था है। महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश के तुरन्त बाद शारीरिक एवं मानसिक योग्यता के आधार पर छात्रों को एन.सी.सी. कैडेट के रूप में चयनित किया जाता है। इसके लिए छात्रों को महाविद्यालय की प्रवेश रसीद की छाया प्रति के साथ अलग से निर्धारित प्रवेश आवेदन पत्र एन.सी.सी. कार्यालय में जमा करवाना आवश्यक है। दो वर्षीय प्रशिक्षण के उपरान्त 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा होती है, जिसमें 75 प्रतिशत उपस्थिति एवं न्यूनतम एक शिविर की योग्यता प्राप्त कैडेट भाग लेते हैं। बी प्रमाण पत्र उत्तीर्ण कैडेट तृतीय वर्ष के अन्त में न्यूनतम दो शिविरों में भाग लेने के बाद सी प्रमाण पत्र परीक्षा में भाग लेते हैं। 'सी' प्रमाण पत्र उत्तीर्ण

कैडेटों की प्रतिरक्षा सेवा के विभिन्न पदों पर सीधे चयन हेतु पात्रता होती है। 'ए' तथा 'बी' ग्रेड प्रमाण पत्र धारी कैडेटों को बिना लिखित परीक्षा के सेना में अधिकारी के रूप में चयन हेतु पात्रता है।

एन.सी.सी. प्रशिक्षण में सैन्य कवायद, हथियारों का संचालन, सैन्य भूगोल व इतिहास के अलावा विविध आपदाप्रबन्धन एवं समाज सेवा कार्यो को महत्व दिया जाता है । प्रतिवर्ष प्रदेश स्तरीय शिविरों के अलावा राष्ट्रीय शिविरों में कैडिट अपनी योग्यता के आधार पर चयनित होकर भाग लेते हैं, जिनमें विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है तथा श्रेष्ठ कैडिटों को मैडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाते हैं। सैन्य क्षमताओं के मूल्यांकन के लिये प्रतिवर्ष थल सेना, वायु सेना एवं नौ सेना शिविरों का आयोजन होता है। पर्वतारोहण, विदेश भ्रमण आदि भी प्रशिक्षण के ही भाग हैं। 'बी' एवं 'सी' प्रमाण पत्रों का लाभ उच्च शिक्षा एवं विविध रोजगार सेवाओं में भी निर्धारित हैं। एन.सी.सी. कैडेट जो प्रशिक्षण के दौरान अकादमिक परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें एन.सी.सी. महानिदेशालय, सहारा इण्डिया आदि द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

एन.सी.सी. अधिकारी

(1). लैफ्टि. डॉ. ओ.पी. सोलंकी – 6 राज. इण्डेप कम्पनी (3). लैफ्टि. डॉ. हरवीर सिंह डागुर – 3 राज. इन्डेप कम्पनी

(2). लैफ्टि. श्री. पी. एल. मीणा – 6 राज. इन्डेप कम्पनी (4). डॉ. रामबाबू गुर्जर.– सी.टी.ओ.– 3 राज. तोपखाना बैट्री

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

छात्रों में समाज सेवा की भावना उत्पन्न करने एवं सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय योगदान देने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस महाविद्यालय में द्वि वर्षीय राष्ट्रीय सेवा योजना की चार इकाइयाँ कार्यरत हैं । इस योजना के अन्तर्गत छात्रों के लिए समाज सेवा हेतु 7 दिवसीय विशेष शिविर, 3 एक दिवसीय शिविरों के अतिरिक्त 120 घण्टे दैनिक गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य है। नियमित रूप से भाग लेने वाले छात्रों को आगामी कक्षा में प्रवेश तथा राजकीय सेवा में प्राथमिकता मिलती है। राज्य स्तर एवं अखिल भारतीय स्तर पर भी शिविर आयोजित किये जाते हैं। जिनमें चुने हुए छात्र भाग लेने हेतु भेजे जाते हैं। एन.एस.एस. में प्रवेश लेने के लिए आवेदन पत्र निःशुल्क प्राप्त होता है।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी

1. श्री जितेन्द्र सिंह–जिला समन्वयक एवं प्रभारी
2. डॉ0 शिवशंकर मीना
3. डॉ. बालकृष्ण शर्मा
4. डॉ0 चतुर सिंह

रोवर/रेन्जर (स्काउट)

भारत स्काउट गाइड (रोवर/रेन्जर) की गतिविधियाँ महाविद्यालय में संचालित की जातीं हैं। इसमें स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। प्रवेशार्थियों की आयु 16 वर्ष से कम तथा 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये ।

रोवर/रेन्जर (स्काउट) प्रभारी – डॉ0 ओमप्रकाश मीना

युवा विकास केन्द्र (वाई.डी.सी.)

महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत स्नातक, स्नातकोत्तर की अंतिम वर्ष की कक्षाओं के विद्यार्थी युवा विकास केन्द्र (वाई.डी.सी.) में प्रवेश के पात्र हैं। इस केन्द्र का उद्देश्य विद्यार्थियों का व्यक्तित्व परिष्कार एवं रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इस ''युवा विकास केन्द्र योजना'' में व्यक्तित्व विकास एवं रोजगारोन्मुखी निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाता है। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

युवा विकास केन्द्र प्रभारी – डॉ. योगेन्द्र भानु

(E-cell) उद्यमिता प्रकोष्ठ

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवा विकास योजना एवं युवाओं में क्षमता विकास हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की पहल पर महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में उद्यमिता एवं कौशल विकास की दृष्टि से Entrepreneurship उद्यमिता प्रकोष्ठ (E-cell) स्थापित की गयी है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पढाई के साथ– साथ रोजगार/ स्वरोजगार के प्रति प्रतिभाओं का विकास एवं जागरूक करना है। इसके अंतर्गत उद्यमिता विकास संबंधी गतिविधियाँ/कार्यशाला प्रशिक्षण एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। कोई भी अध्ययनरत विद्यार्थी उद्यमिता प्रकोष्ठ का सदस्य बन सकता है। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में सफलतापूर्वक भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र दिया जाता है।

(E-cell) प्रभारी – डॉ. मगन प्रसाद

खेल कूद (Games)

महाविद्यालय में एक विशाल स्टेडियम है तथा क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, बॉलीबॉल, टेनिस, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस, कबड्डी, कुश्ती, जूडो, बॉक्सिंग, स्क्वैश, हैण्डबाल, भारोत्तोलन एवं एथलेटिक्स की सुविधाऐं उपलब्ध हैं। महाविद्यालय के श्रेष्ठ खिलाड़ियों ने राज्य में कुश्ती व बॉक्सिंग के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। महाविद्यालय के श्रेष्ठ खिलाडी को मेहरचंद खन्ना पदक प्रदान किया जाता है। प्रतिभा सम्पन्न खिलाडियों को किट, प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु दैनिक एवं यात्रा भत्ता, उच्चतर कक्षाओं में प्रवेश हेतु वरीयता अंकों में आदि में विभिन्न लाभ दिए जाते हैं। विभिन्न खेलों में योग्यता एवं रूचि रखने वाले विद्यार्थी अधिक जानकारी हेतु शारीरिक प्रशिक्षक अथवा खेलकूद प्रभारी से सम्पर्क करें। गत तीन सत्रों में MSJ की क्रिकेट टीम लगातार विश्वविद्यालय स्तर पर विजेता रही है और विगत 3 सत्रों में महाविद्यालय के 95 छात्रा–छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है।

खेलकूद प्रभारी – डॉ. हरवीर सिंह डागुर

सह शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ

महाविद्यालय के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से विभिन्न सह शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन किया जाता है। छात्रों से इन गतिविधियों में भाग लेने की

अपेक्षा की जाती है। चयनित विद्यार्थियों को जिला स्तर, संभाग स्तर पर एवं राज्य स्तर पर भाग लेने हेतु भेजा जाता है।

विद्यार्थी परामर्श एवं समस्या निवारण केन्द्र

महाविद्यालय में "विद्यार्थी परामर्श एवं समस्या निवारण केन्द्र" है। यह महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रवेश, पाठ्यक्रम, विभिन्न रोजगार सम्बन्धित, महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं, गतिविधियों तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की सूचनाएँ उपलब्ध कराता है। छात्र अपने कैरियर, व्यवसाय, शिक्षणेत्तर गतिविधियों के सम्बन्ध में समस्त सूचनाएँ इस केन्द्र से प्राप्त कर लाभ उठायें। यह केन्द्र छात्रों को महाविद्यालय सम्बन्धी विभिन्न जानकारी देने को तत्पर रहेगा।

प्रभारी – श्री अशोक कुमार शर्मा

छात्र अभाव अभियोग निराकरण

महाविद्यालय के शैक्षणिक, सह शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के क्रम में छात्र अभाव अभियोग निराकरण कार्य उपाचार्य अकादमिक एवं तीनों संकायों के अधिष्ठाताओं की एक समिति करेगी।

यात्रा रियायत संबंधी नियम

विद्यार्थियों को यात्रा रियायत की सुविधा निम्नलिखित स्थिति में दी जाती है–

1. निश्चित अवकाशों में स्थाई निवास स्थान पर आने जाने के लिये।
2. शैक्षिक कार्यों हेतु तथा कलात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों की यात्रा के लिए (कम से कम दस छात्रों का दल आवश्यक है)
3. मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु रियायत प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित लिपिक से प्रार्थना पत्र एवं परिचय पत्र के साथ सम्पर्क करें।
4. इस सुविधा का दुरूपयोग करना दण्डनीय अपराध है।

अनुशासन

कॉलेज प्रशासन को सभी विद्यार्थियों पर अनुशासन सम्बन्धी अधिकार प्राप्त है। यदि कोई विद्यार्थी किसी प्रकार का निन्दनीय आचरण अथवा अवैध कार्य करता पाया जाता है, जो प्राचार्य की दृष्टि से कॉलेज के सम्मान अथवा वातावरण को दूषित करता है तो उसे दण्डित किया जा सकता है। दण्ड विधान में जुर्माना एवं अस्थाई या स्थाई रूप से **कॉलेज से निष्कासन** तक की व्यवस्था है। दुराचरण अथवा आदेशों की अवज्ञा करने वाले विद्यार्थी को कक्षाओं में बैठने से, परीक्षा देने तथा अगले वर्ष कॉलेज में प्रवेश से वंचित किया जा सकता है। अवांछित व्यवहार के परिणाम स्वरूप चरित्र सम्बन्धी प्रमाण पत्र में तदनुसार प्रविष्ट की जावेगी।

एन्टी रैगिंग

माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार रैगिंग पूर्णतया प्रतिबंधित है। यदि कोई विद्यार्थी रैगिंग लेते हुए पाया गया अथवा किसी विद्यार्थी की शिकायत प्राप्त होती है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

इस संबंध में निम्न मोबाइल नं. पर सम्पर्क किया जा सकता है। 9413918072, 9414650383, 9460925253

माता–पिता/अभिभावकों से अनुरोध

माता–पिता तथा अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बच्चों की कॉलेज में उपस्थिति, शैक्षणिक प्रगति तथा आचरण सम्बन्धी अन्य बातों की समय–समय पर जानकारी लेते रहें। इसके लिए कॉलेज में आकर प्राचार्य/गुरुजनों से मिल सकते हैं।

उपस्थिति सम्बन्धी नियम

उपस्थिति के नियम अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को निम्नांकित नियम सदैव ध्यान में रखने चाहिये क्योंकि इन नियमों की अवहेलना करने पर विद्यार्थी विश्वविद्यालय की परीक्षा में नियमित छात्र के रूप में शामिल नहीं हो सकेगा।

1. विश्वविद्यालय की परीक्षा में प्रवेश की अनुमति लेने से पूर्व विद्यार्थियों की कम से कम प्रत्येक विषय के व्याख्यानों में 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है।
2. महाविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में जो छात्र एन.सी.सी., एन.एस.एस. खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि गतिविधियों में विश्वविद्यालय तथा अन्तर–विश्वविद्यालय युवा समारोह (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) में भाग लेंगे, उन्हें उपस्थिति का लाभ दिया जा सकेगा। इसके लिए आवश्यक प्रमाण पत्र महाविद्यालय कार्यालय में अविलम्ब प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
3. विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार जिन छात्रों की उपस्थिति कम पाई जायेगी उन्हें अतिरिक्त शुल्क देकर स्वयंपाठी छात्र के रूप में परीक्षा देनी होगी।
4. विद्यार्थियों तथा अभिभावकों का कर्त्तव्य है कि वे सम्बन्धित गुरुजनों से तथा महाविद्यालय कार्यालय में समय–समय पर पूछताछ करके उपस्थिति तथा प्रगति के विषय में सूचना प्राप्त करते रहें।
5. माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थी को परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा।
6. एक माह तक निरन्तर अनुपस्थित रहने पर विद्यार्थी का नाम महाविद्यालय पंजिका से काट दिया जावेगा।
7. पूरक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अस्थाई रूप से प्रविष्ट विद्यार्थियों की उपस्थिति महाविद्यालय में अध्ययन प्रारंभ होने की तिथि से गिनी जावेगी।
8. उपस्थिति कम रहने पर अ.जा./अनु.जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग/विशेष पिछडा वर्ग अथवा कोई भी अन्य छात्रवृत्ति देय नहीं है।

अधिकारी सूची

प्राचार्य - डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

अन्य प्रशासनिक अधिकारी

उपाचार्य - श्रीमती लता शर्मा

कला संकाय

हिन्दी विभाग : स्वीकृत पद– 17

1. डॉ. कृष्ण चन्द्र गोस्वामी – सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. इला मिश्रा – सह आचार्य
3. डॉ. उर्मिला शर्मा – सह आचार्य
4. डॉ. चन्द्रलोचन त्रिपाठी – सह आचार्य
5. श्री अशोक कुमार शर्मा – सह आचार्य
6. डॉ. सुनीता कुलश्रेष्ठ – सह आचार्य
7. डॉ. नरेश चन्द्र गोयल – सह आचार्य
8. डॉ. देवेन्द्र सिंह – सह आचार्य
9. डॉ. अनुराधा – सहायक आचार्य
10. डॉ. अशोक कुमार गुप्ता – सह आचार्य
11. श्रीमती अंजना शर्मा – सहायक आचार्य
12. डॉ. बालकृष्ण शर्मा – सहायक आचार्य
13. डॉ. चतुर सिंह सहायक आचार्य
14. डॉ. पूरन प्रकाश जाटव – सहायक आचार्य

अंग्रेजी विभाग : स्वीकृत पद–09

1. डॉ. बृजेश शर्मा – सह आचार्य एवं प्रभारी
2. श्री. अरविन्द सिंह – सह आचार्य
3. श्री शैलेन्द्र शर्मा–सह आचार्य
4. श्रीमती गरिमा जैन –सहायक आचार्य (TRF)

संस्कृत विभाग : स्वीकृत पद–13

1. डॉ. योगेन्द्र कुमार भानु–सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. उर्मिला मीणा–सह आचार्य
3. श्रीमती रेखा शर्मा – सह आचार्य
4. डॉ. बाबूलाल मीना–सह आचार्य
5. डॉ. गोविन्द राम चरौरा–सह आचार्य
6. डॉ. उषा रानी शर्मा–सह आचार्य
7. श्रीमती मीरा देवी–सह आचार्य
8. श्रीमती राजकुमारी–सहायक आचार्य
9. डॉ. राजाराम–सहायक आचार्य
10. डॉ. निहाल सिंह – सहायक आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
11. श्रीमती डिम्पल जैसवाल–सहायक आचार्य
12. डॉ. रामबाबू गुर्जर–सहायक आचार्य

राजनीति विज्ञान विभागः स्वीकृत पद–14

1. डॉ. निर्भय सिंह–सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. जग्गो सिंह–सह आचार्य
3. डॉ. हरबीर सिंह–सह आचार्य
4. डॉ. मनोज कुमार सिंह–सह आचार्य
5. डॉ. सरोज देवी–सह आचार्य
6. डॉ. अरविन्द वर्मा–सहायक आचार्य
7. डॉ. आशा परमार–सहायक आचार्य
8. श्री जितेन्द्र सिंह–सहायक आचार्य
9. डॉ. हरवीर सिंह डागुर–सहायक आचार्य

इतिहास विभाग : स्वीकृत पद– 06

1. डॉ. आलोक कुमार – सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
2. डॉ. संतोष गुप्ता–सह आचार्य एवं प्रभारी
3. डॉ. सतीश कुमार त्रिगुणायत–सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
4. डॉ. मनोज सिनसिनवार– सहायक आचार्य

लोकप्रशासन विभाग : स्वीकृत पद– 01

डॉ. श्याम किशोर उपाध्याय– सहायक आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)

अर्थ शास्त्र विभाग : स्वीकृत पद– 05

1. डॉ. रीता गुप्ता – सह आचार्य एवं प्रभारी
2. श्रीमती सरिता सिंह–सहायक आचार्य

दर्शन शास्त्र विभाग : स्वीकृत पद– 05

1. डॉ. राजवीर सिंह शेखावत – सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. राजेश्वरी मीणा – सहायक आचार्य
3. डॉ. जितेन्द्र पाकड़–सहायक आचार्य
4. जरफिशा जैदी–सहायक आचार्य
5. श्री विष्णु चन्द्र गौड़–सहायक आचार्य

भूगोल विभाग : स्वीकृत पद– 17

1. डॉ. के. डी. मीणा– सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. ओमप्रकाश सोलंकी–सह आचार्य
3. डॉ. मंजू शर्मा – सहायक आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
4. डॉ. आलोक श्रीवास्तव– सह आचार्य
5. डॉ. जैनेन्द्र कुमार गुप्ता–सहायक आचार्य (निलम्बित)
6. डॉ. शिव शंकर मीणा–सहायक आचार्य

समाजशास्त्र विभाग : स्वीकृत पद– 07

1. डॉ. शर्मिला फौजदार–सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. अशोक कुमार तोमर– सह आचार्य
3. डॉ. नीरजा शर्मा–सह आचार्य
4. डॉ. मानवेन्द्र चतुर्वेदी–सह आचार्य
5. डॉ. कौशल किशोर श्रीवास्तव–सह आचार्य

विज्ञान संकाय

भौतिक शास्त्र विभाग : स्वीकृत पद–12

1. डॉ. राजेन्द्र सिंह–सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. परमजीत सिंह–सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
3. डॉ. अशोक अग्रवाल–सह आचार्य
4. डॉ. अंजू तंवर–सह आचार्य
5. डॉ. आनन्द रावत–सह आचार्य
6. डॉ. हेमन्त महावर –सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
7. डॉ. रवीन्द्र कुमार शर्मा–सह आचार्य
8. डॉ. शिवाली चौहान–सहायक आचार्य

रसायन शास्त्र विभाग : स्वीकृत पद–18

1. डॉ. रेणु कुलश्रेष्ठ – सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. प्रमिला रानी शांडिल्य–सह आचार्य
3. डॉ. प्रीति शर्मा–सह आचार्य
4. डॉ. मगन प्रसाद–सह आचार्य
5. डॉ. ओमप्रकाश शर्मा–सह आचार्य
6. डॉ. लक्ष्मीकान्त गुप्ता– सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
7. डॉ. दिनेश प्रकाश उपाध्याय–सह आचार्य
8. डॉ. रामकुमार शर्मा–सह आचार्य
9. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार मीना – सहायक आचार्य
10. डॉ. ओमप्रकाश मीना – सहायक आचार्य
11. श्री पप्पूलाल मीना – सहायक आचार्य

वनस्पति शास्त्र विभाग : स्वीकृत पद– 14

1. डॉ. प्रतिभा द्विवेदी – सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. अर्चना सिंह – सह आचार्य
3. डॉ. संजय कुमार – सह आचार्य
4. डॉ. महेश चन्द मीना – सहायक आचार्य
5. डॉ. मनोज कुमार मीना – सहायक आचार्य

प्राणी शास्त्र विभाग : स्वीकृत पद– 14

1. डॉ. बृजेश कुमार गुप्ता–सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. धीरेन्द्र देवर्षि– सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति)
3. डॉ. सुनीता पाण्डे–सह आचार्य
4. डॉ. संगीता चतुर्वेदी–सह आचार्य
5. डॉ. मंजूलता शर्मा–सह आचार्य (पी.डी.एफ.)
6. डॉ. प्रमिला गुप्ता–सह आचार्य
7. डॉ. मुकेश कुमार–सह आचार्य
8. डॉ. शिव कुमार सिंह–सह आचार्य
9. डॉ. राजेश सिंह –सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
10. श्री विष्णु कुमार गुप्ता – सहायक आचार्य
11. डॉ. सुंदर सिंह–सहायक आचार्य
12. डॉ. सीमा वर्मा–सहायक आचार्य
13. डॉ. सुनयना सिंह–सहायक आचार्य

गणित विभाग : स्वीकृत पद– 05

1. डॉ. के. सी. शर्मा –सह आचार्य एवं प्रभारी
2. डॉ. अशोक कुमार गोयल–सह आचार्य
3. डॉ. महेश कुमार गुप्ता–सह आचार्य
3. श्री हेमन्त कुमार – सहायक आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)

पी.जी.डी.सी.ए. विभाग :स्वीकृत पद– 01

1. डॉ. श्रीमती अंजू शर्मा–सह आचार्य

वाणिज्य संकाय

लेखा एवं सांख्यिकी विभाग : स्वीकृत पद– 05

1. डॉ. दाऊदयाल गुप्ता–सह आचार्य एवं प्रभारी

आर्थिक–प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्ध : स्वीकृत पद–05

1. डॉ. विवेक शर्मा – सह आचार्य (प्रतिनियुक्ति पर)
2. डॉ. नीता आनन्द– सह आचार्य एवं प्रभारी
3. डॉ. शकुन्तला मीणा–सहायक आचार्य

व्यावसायिक प्रशासन विभाग : स्वीकृत पद– 05

1. डॉ. पारस जैन – सह आचार्य एवं प्रभारी

शारीरिक प्रशिक्षक : स्वीकृत पद – 01 रिक्त

पुस्तकालय :

1. श्री पूरन सिंह गडासिया–पुस्तकालयाध्यक्ष
2. श्रीमती गुरिवन्दर कौर (प्रतिनियुक्ति पर)

मंत्रालयिक/अधीनस्थ सेवा संवर्ग के कर्मचारी

निजी सचिव/ स्टेनोग्राफरः स्वीकृत पद–01

रिक्त

कार्यालय अधीक्षक : स्वीकृत पद – 01

रिक्त

कार्यालय सहायक अधीक्षक : स्वीकृत पद – 01

बृजेन्द्र सिंह

स. लेखाधिकारी/लेखाकारः स्वीकृत पद–01

रिक्त

कार्यालय सहायक : स्वीकृत पद–02

1. रिक्त

वरिष्ठ लिपिक : स्वीकृत पद–03

1. रिक्त

कनिष्ठ लिपिक : स्वीकृत पद–07

1. श्री हरी प्रसाद

प्रयोगशाला सहायक : स्वीकृत पद–10

1. श्री मनेन्द्र दत्त शर्मा
2. श्री मांगीलाल
3. श्रीमती अनुरूप चाहर
4. श्री नीरज सिंह
5. श्री अभिषेक सिंह

सैक्शन कटरः स्वीकृत पद–01

रिक्त

म्यूजियम कीपरः स्वीकृत पद–01

रिक्त

इलेक्ट्रीशियनः स्वीकृत पद–01

रिक्त

मैकेनिकः स्वीकृत पद–01

श्री कुसुम कुमार गुप्ता

अन्य कर्मचारीगण

बुकलिफ्टर : स्वीकृत पद– 03

1. श्री बाल किशन
2. श्री रामबाबू शर्मा

लैब बॉय : स्वीकृत पद– 10

1. श्री दीनदयाल सिंह
2. श्री गोपीचन्द

सहायक कर्मचारी : स्वीकृत पद– 22

1. श्री हरिकिशन
2. श्री खेम सिंह (प्रतिनियुक्ति पर)
3. श्रीमती कमलेश गोयल
4. श्री राकेश कुमार
5. श्री शशि कपूर
6. श्री मदन
7. श्री नारायण कश्यप
8. श्री रामश्योरसिंह
9. श्रीमती शीला देवी
10. श्री मुकेश कुमार
11. श्री रवि कुमार
12. श्री रामभरोसी

महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न विषयों के शोध-निर्देशकों की सूची

कला संकाय

हिन्दी विभाग :

1. डॉ. कृष्ण चन्द्र गोस्वामी M.A., Ph.D
2. डॉ. इला मिश्रा M.A., Ph.D
3. डॉ. उर्मिला शर्मा M.A., Ph.D
4. डॉ. सुनीता कुलश्रेष्ठ M.A., M.Phil, Ph.D
5. डॉ. नरेश गोयल M.A., M.Phil, Ph.D
6. डॉ. अशोक कुमार गुप्ता M.A., M.Phil, Ph.D

अंग्रेजी विभाग :

1. डॉ. ब्रजेश शर्मा M.A., Ph.D

संस्कृत विभाग :

1. डॉ. योगेन्द्र भानु M.A.,Ph.D.
2. डॉ. गोविन्द राम चरौरा M.A., M. Phil.,Ph.D.
3. डॉ. उषा रानी शर्मा M.A.,Ph.D.
4. डॉ. राजा राम M.A.,Ph.D.
5. डॉ. निहाल सिंह (प्रतिनियुक्ति पर) M.A.,Ph.D.

राजनीति विज्ञान विभाग:

1. डॉ. उमेश चन्द शर्मा M.A.,M. Phil,Ph.D
2. डॉ. निर्भय सिंह M.A., Ph.D
3. डॉ. हरबीर सिंह M.A., M.Phil, Ph.D
4. डॉ. आशा परमार M.A., Ph.D
5. डॉ. हरबीर सिंह डागुर M.A., M.Phill.Ph.D

इतिहास विभाग :

1. डॉ. आलोक कुमार (प्रतिनियुक्ति) M.A., Ph.D
2. डॉ. संतोष गुप्ता M.A., M.Phill., Ph.D
3. डॉ. सतीश कुमार त्रिगुणायत (प्रतिनियुक्ति) M.A., Ph.D

अर्थ शास्त्र विभाग :

1. डॉ. रीता गुप्ता M.A., M.Phil, Ph.D

दर्शन शास्त्र विभाग :

1. डॉ. राजवीर सिंह शेखावत M.A., Ph.D
2. डॉ. राजेश्वरी मीणा M.A., Ph.D

भूगोल विभाग :

1. डॉ. के. डी. मीना M.A., Ph.D
2. डॉ. आलोक श्रीवास्तव M.A., Ph.D

समाजशास्त्र विभाग :

डॉ. मानवेन्द्र चतुर्वेदी M.A., M.Phil, Ph.D

विज्ञान संकाय

भौतिक शास्त्र विभाग :

1. डॉ. परमजीत सिंह (प्रतिनियुक्ति पर) M.Sc., Ph.D
2. डॉ. हेमन्त कुमार महावर (प्रतिनियुक्ति पर) M.Sc.,Ph.D
3. डॉ. रवीन्द्र कुमार शर्मा M.Sc.,Ph.D

रसायन शास्त्र विभाग :

1. डॉ. रेणु कुलश्रेष्ठ M.Sc., Ph.D
2. डॉ. मगन प्रसाद M.Sc., Ph.D
3. डॉ. लक्ष्मीकान्त गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर) M.Sc., Ph.D
4. डॉ. ओमप्रकाश शर्मा M.Sc., Ph.D
5. डॉ. दिनेश कुमार उपाध्याय M.Sc., Ph.D
6. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार मीणा M.Sc., Ph.D

वनस्पति शास्त्र विभाग :

4. डॉ. प्रतिभा द्विवेदी M.Sc., Ph.D
4. डॉ. अर्चना सिंह M.Sc., Ph.D
5. डॉ. संजय कुमार M.Sc., M.Phil, Ph.D

प्राणी शास्त्र विभाग :

1. डॉ. बी के गुप्ता M.Sc., M.Phil, Ph.D
2. डॉ धीरेन्द्र देवर्षि (प्रतिनियुक्ति) M.Sc., M.Phil, Ph.D
3. डॉ. सुनीता पाण्डे M.Sc., M.Phil, Ph.D
4. डॉ. संगीता चतुर्वेदी M.Sc., Ph.D
5. डॉ. मंजूलता शर्मा M.Sc., Ph.D (PDF)
6. डॉ. प्रमिला गुप्ता M.Sc., Ph.D
7. डॉ. मुकेश कुमार M.Sc., Ph.D
8. डॉ. शिवकुमार सिंह M.Sc., M.Phil, Ph.D
9. डॉ.राजेश सिंह (प्रतिनियुक्ति) M.Sc., Ph.D
10. डॉ. सुंदर सिंह M.Sc., Ph.D

गणित विभाग :

1. डॉ. के. सी. शर्मा M.Sc., M.Phil, Ph.D
2. डॉ. अशोक कुमार गोयल M.Sc., M.Phil, Ph.D
3. डॉ. महेश कुमार गुप्ता M.Sc., M.Phil, Ph.D

वाणिज्य संकाय

आर्थिक–प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्ध :

1. डॉ. विवेक शर्मा (प्रतिनियुक्ति) M.Com.,Ph.D
2. डॉ. नीता आनंद M.Com.,Ph.D

लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग

1. डॉ. दाऊदयाल गुप्ता M.Com.,Ph.D

महाविद्यालय में सार्वजनिक अवकाश

सामान्य प्रशासन (ग्रुप–6) विभाग, राजस्थान, जयपुर द्वारा जारी विज्ञप्ति क्रमांक प. 6 (2) सा.प्र. /6/2012 दिनांक 09/11/2012 की अनुपालना में निदेशालय के अधीन समस्त महाविद्यालयों में कलैण्डर वर्ष 2013 (ग्रेगोरियन) ई. शक संवत् 1934–35 में निम्नलिखित अवकाश घोषित किये जाते हैं–

क्र.स.	अवकाश का नाम	राष्ट्रीय कलैण्डर	ग्रेगोरियन दिनांक	दिन का नाम
1.	गणतंत्र दिवस	6 माघ, 1939	26.01.2018	शुक्रवार
2.	महाशिवरात्रि	24 माघ, 1939	13.02.2018	मंगलवार
3.	होलिका दहन	10 फाल्गुन, 1939	01.03.2018	गुरूवार
4.	धूलण्डी	11 फाल्गुन, 1939	02.03.2018	शुक्रवार
5.	चेटीचण्ड	28 फाल्गुन, 1939	19.03.2018	सोमवार
6.	श्री रामनवमी	04 चैत्र, 1940	25.03.2018	रविवार
7.	श्री महावीर जयन्ती	08 चैत्र, 1940	29.03.2018	गुरूवार
8.	गुड फ्राइडे	09 चैत्र, 1940	30.03.2018	शुक्रवार
9.	डॉ. अम्बेडकर जयन्ती	24 चैत्र, 1940	14.04.2018	शनिवार
10.	ईदुलफितर	26 ज्येष्ठ, 1940	16.06.2018	शनिवार
11.	महाराणा प्रताप जयन्ती	26 ज्येष्ठ, 1940	16.06.2018	शनिवार
12.	स्वतंत्रता दिवस	24 श्रावण, 1940	15.08.2018	बुधवार
13.	ईदुलजुहा	31 श्रावण, 1940	22.08.2018	बुधवार
14.	रक्षाबंधन	04 भाद्रपद, 1940	26.08.2018	रविवार
15.	श्री कृष्ण जन्माष्टमी	12 भाद्रपद, 1940	03.09.2018	सोमवार
16.	रामदेव जयन्ती/तेजादशमी	28 भाद्रपद, 1940	19.09.2018	बुधवार
17.	मोहर्रम (ताजिया)	30 भाद्रपद, 1940	21.09.2018	शुक्रवार
18.	महात्मा गांधी जयन्ती	10 आश्विन, 1940	02.10.2018	मंगलवार
19.	नवरात्रा स्थापना	18 आश्विन, 1940	10.10.2018	बुधवार
20.	दुर्गाष्टमी	25 आश्विन, 1940	17.10.2018	बुधवार
21.	विजयदशमी	27 आश्विन, 1940	19.10.2018	शुक्रवार
22.	दीपावली	16 कार्तिक, 1940	07.11.2018	बुधवार
23.	गोवर्धन पूजा	17 कार्तिक, 1940	08.11.2018	गुरूवार
24.	भैयादोज	18 कार्तिक, 1940	09.11.2018	शुक्रवार
25.	बारावफात	30 कार्तिक, 1940	21.11.2018	बुधवार
26.	गुरूनानक जयन्ती	02 अग्रहायण, 1940	23.11.2018	शुक्रवार
27.	क्रिसमस दिवस	04 पौष, 1940	25.12.2018	मंगलवार

नोटः–

1. वर्ष के समस्त रविवार को सार्वजनिक अवकाश रहेगा तथा प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार का अवकाश द्वितीय शनिवार के दिवस से माह की अंतिम तारीख तक उसी माह में उपभोग किया जा सकेगा।
2. मुस्लिम अवकाश चन्द्रमा दिखाई देने पर निर्भर रहेंगे।
3. राज्य सरकार की आज्ञा संख्या एफ 1 (80) शिक्षा–6/63 दिनांक 15–9–69 के अनुसार कलेक्टर द्वारा घोषित अवकाश महाविद्यालयों में लागू नहीं होंगे।
4. महाविद्यालयों में प्राचार्यों को कलेण्डर वर्ष में 3 दिवस का अवकाश घोषित करने का अधिकार होगा।
5. राज्य सरकार की आज्ञा संख्या एफ–(डी) (255) शिक्षा–2/ विभाग दिनांक 11.2.63 के अनुसार राज्य सरकार द्वारा घोषित ऐच्छिक अवकाश देय नहीं है, इसके बदले में महाविद्यालयों में कार्य करने वाले कर्मचारियों को दो दिवस का क्षतिपूर्ति अवकाश ग्रीष्मावकाश की अवधि में देय होगा।
6. राज्य सरकार के आदेश संख्या एफ–1(520) शिक्षा–6/62 दिनांक 15.3.62 के आदेशानुसार निम्नलिखित राजपत्रित अवकाश के दिन महाविद्यालयों में अवकाश नहीं रहेगा एवं इन दिवसों में कार्य करने की ऐवज में नियमानुसार जिन्हें क्षतिपूर्ति अवकाश देय है, उन्हें क्षतिपूर्ति अवकाश ग्रीष्मावकाश की अवधि में देय होगा।

1. महात्मा गांधी जयन्ती	10 आश्विन, 1940	02.10.2018	मंगलवार
2. नवरात्र स्थापना	18 आश्विन, 1940	10.10.2018	बुधवार

7. कोटा जिले में जन्माष्टमी के बाद आने वाला दिन स्वतः जन्माष्टमी के स्थान पर अवकाश के रूप में माना जावेगा।

निदेशक